सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 109 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 25 मई, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सुंदर वेषभूषा देखकर न केवल मूर्ख अपितु चतुर मनुष्य भी धोखा खा जाते हैं। सुंदर मोर को ही देख लो उसका वचन तो अमृत के समान है लेकिन आहार सांप का है।

-गोस्वामी तुलसीदास

पढ़ाई के साथ-साथ छात्र लड़ रहे... 8 | राज्य सभा के जरिए सेफ दरवाजे से... 3 | बाराबंकी में रफ्तार का कहर, चार... 7

'हाथ' छोड़ अब 'साइकिल' के सहारे कपिल सिब्बल

राज्य सभा के लिए किया नामांकन, बोले, अब मैं कांग्रेस नेता नहीं

» यूपी की 11 सीटों पर दस जून को होंगे राज्य सभा के लिए चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल अब सपा के समर्थन से राज्य सभा जाएंगे। उन्होंने सपा के समर्थन से निर्दलीय तौर पर आज राज्य सभा के लिए नामांकन किया। इस मौके पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मौजूद रहे।

विधान भवन के सेंट्रल हाल में कपिल सिब्बल ने उत्तर प्रदेश से राज्य सभा के लिए नामांकन किया। नामांकन के बाद उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस का नेता था, लेकिन अब नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मैंने सपा के समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया है। मैं कांग्रेस की सदस्यता से 16 मई को इस्तीफा दे चुका हूं। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि 2024 के लोक सभा चुनाव को लेकर हम सब एक साथ आ रहे हैं। हम एक साथ केंद्र सरकार की कमियों को उजागर करेंगे। सब एक साथ मिलकर जनता के बीच बात रखेंगे। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि सपा को कपिल सिब्बल जैसे नेताओं की जरूरत है। कपिल सिब्बल अपनी बात अच्छे से रखते हैं। कपिल सिब्बल एक सफल वकील हैं। गौरतलब है कि राज्य सभा में यूपी की 11 सीटों के लिए चुनाव 10 जून को होगा। इन सदस्यों का कार्यकाल 4 जुलाई को समाप्त हो रहा है। इसके लिए नामांकन 31 मई तक दाखिल किए जाएंगे। एक जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी। तीन जून तक नाम वापस ले सकेंगे। 10 जून को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने इसका कार्यक्रम जारी किया है। 11 सीटों में से भाजपा को सात व सपा को तीन सीटें मिलना लगभग तय हैं। 11वीं सीट के लिए भाजपा व सपा के बीच मुकाबला होगा।

फोटो: सुमित कुमार

डिंपल यादव का नाम भी चर्चा में

सूत्रों के मुताबिक सपा डिंपल यादव को भी राज्य सभा भेज सकती है। उनके नाम की भी चर्चा हो रही है। बताया जा रहा है कि समाजवादी पार्टी में पांच नामों पर गंभीर चर्चा हुई थी जिसमें कपिल सिब्बल, जयंत चौधरी, डिंपल यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी व जावेद अली खान के नामों पर पार्टी ने विचार किया था।

सपा से जावेद अली ने भी किया नामांकन

जावेद अली खान ने आज सपा से राज्य सभा के लिए नामांकन कर दिया है। इस दौरान उनके साथ सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव और अंबिका चौधरी

मौजूद रहे। जावेद अली खान यूपी के संभल के मिर्जापुर नसरुल्लापुर के रहने वाले हैं। उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया से एमए इन पॉलिटिकल साइंस और ओस्मानिया यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है। जावेद दूसरी बार राज्यसभा जाने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले वे 26 नवंबर 2014 से 25 नवंबर 2020 तक राज्य सभा के सांसद रह चुके हैं। उन्हें प्रो. रामगोपाल यादव का करीबी माना जाता है।

केशव और अखिलेश में तीखी बहस सीएम योगी को संभालना पड़ा मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज यूपी विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच तीखी बहस हुई। बात इतनी बढ़ गई कि नेता सदन सीएम योगी को खड़े होकर माहौल को शांत करना पड़ा।

» डिप्टी सीएम केशव के बयान पर हंगामा, सीएम ने सदन की मर्यादा बनाने की दी नसीहत

» आंकड़ों के आधार पर नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को विधान सभा में घेरा

केशव प्रसाद मौर्य की ओर से यह कहे जाने पर कि क्या आपने सैफई की जमीन बेचकर सड़क बनाई थी, नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव बिफर पड़े। वह अपनी सीट से खड़े हुए और कहा कि क्या तुम पिता जी का पैसा लाते हो। राशन बांटा तो पिताजी का पैसा था? अखिलेश के यह कहते ही दोनों तरफ से शोर-शराबा होने लगा तो खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने मोर्चा संभाला और सबको मर्यादा में रहने की नसीहत दी। इसके पहले नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि आज तक के इतिहास में यह सरकार सबसे अधिक विफल रही है। नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा में यूपी देश में नीचे से चौथे स्थान पर, स्वास्थ्य में सबसे नीचे व गरीबी में सबसे आगे है। साइबर क्राइम, महिला अपराध, दलित उत्पीड़न और आर्थिक अपराध में यूपी सबसे आगे है।

श्रीलंका जैसा हाल कभी न होगा हिन्दुस्तान का : स्वतंत्र देव

» विधान परिषद में नेता सदन ने सपा को दिया करारा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में बढ़ती महंगाई के मुद्दे को विधान परिषद में मंगलवार को उठाते हुए सपा ने भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश की। सपा सदस्यों ने कहा कि जब से भाजपा सरकार आई है तब से कमर तोड़ महंगाई है। श्रीलंका जैसे हालात बनते जा रहे हैं। सपा सदस्यों की चिंता को सिरे से खारिज करते हुए नेता सदन स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि श्रीलंका जैसा हाल कभी न हिन्दुस्तान का होगा और न ही उत्तर प्रदेश का। वंशवाद के कारण श्रीलंका का यह हाल हुआ जबकि हिन्दुस्तान में केंद्र की मोदी और राज्य की योगी सरकार की तमाम उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों को खुशहाली देने का काम किया है।

वैश्विक संकट के दौर में भी सरकार ने मुफ्त अनाज और 100 से अधिक देशों को टीका उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि 100 टके की बात यह है कि ना खायेंगे ना खाने देंगे, ना सोयेंगे और ना ही सोने देंगे। महंगाई नियंत्रित करने के लिए सरकार बाजार पर पैनी नजर रखे है। मौसमी कारणों से घरेलू उत्पादन प्रभावित होने पर मूल्य वृद्धि होती है। इससे पहले सपा के मान सिंह यादव ने कार्यस्थगन के माध्यम से महंगाई पर सरकार को घेरते हुए कहा कि चुनाव के समय महंगाई कम करने का वादा किया गया था लेकिन सरकार महंगाई रोकने में असफल रही है। आशुतोष सिन्हा ने कहा कि खाद्य पदार्थों में एक साल में दोगुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा आई है कमर तोड़ महंगाई है। नेता प्रतिपक्ष संजय लाठर ने कहा कि पीएम मोदी ने एक देश एक टैक्स की बात कही थी लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों में हर राज्य अलग-अलग टैक्स ले रहे हैं। सरकार ने गुजराती उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसे कानून बनाए, जिससे महंगाई बढ़ रही है। सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाकर कृत्रिम महंगाई बढ़ाई है। गेहूं की खरीद निजी कंपनियों ने की है। भविष्य में आटे के दाम आसमान छुएंगे। लाठर ने कहा कि अब तो गेहूं के बजाय चावल दिया जा रहा है जबकि राज्य के आधे हिस्से के लोग गेहूं और आधे के चावल खाते हैं। इस पर सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि कुछ हिस्सा उनका भी है जो दोनों ही खाते हैं। साथ ही सभापति ने कार्यस्थगन अस्वीकार करते हुए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

कल चार अध्यादेश पेश किए गए

बजट सत्र के दूसरे दिन विधान परिषद में कुल चार अध्यादेश पेश किए गए। सदन में रखे गए अध्यादेश में भातखंडे राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय अध्यादेश, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास (संशोधन) अध्यादेश और उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अध्यादेश हैं।

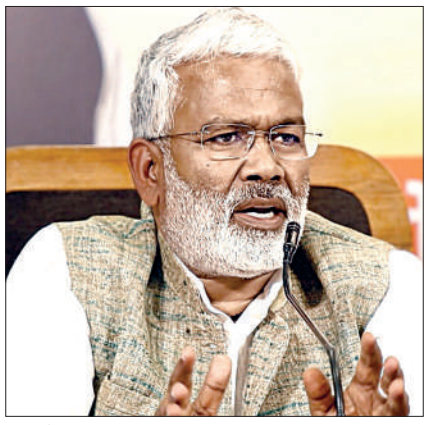

योगी सरकार में भेदभाव के बिना सभी धर्मों का सम्मान : लक्ष्मण प्रसाद

विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर भाजपा के लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि हमारी सरकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति अपनाने वाली हमारी सरकार है। सरकार सभी धर्मों का पूरा सम्मान करती है। गरीब एवं दलित वर्गों का कल्याण करने के साथ ही सरकार का जोर पर्यटन एवं रोजगार को बढ़ावा देना है। भोजनावकाश के बाद परिषद में अधिष्ठाता सुरेश कुमार त्रिपाठी के सभापतित्व में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा शुरू करते हुए आचार्य ने कहा कि काशी, मथुरा, अयोध्या जैसे धार्मिक स्थलों को संवारा जा रहा है। काशी विश्वनाथ धाम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी और योगी सरकार में ही ऐसे काम संभव थे। नेता प्रतिपक्ष सहित सभी सदस्यों से कहा कि काशी में दर्शन जरूर करिए। आंकड़े पेश करते हुए कहा कि अपराध घटे हैं।

लापरवाह सिस्टम के चलते नहीं बन पा रही क्षतिग्रस्त सड़क : बृजभूषण सिंह

» अफसरों की कार्यप्रणाली से बीजेपी सांसद खफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अफसरों की कार्यप्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हाल ही में गोंडा की एक खराब सड़क को लेकर उन्होंने न सिर्फ मौजूदा व्यवस्था पर व्यंग्य साधा, बल्कि अफसरों पर भी निशाना साधा। वायरल वीडियो में उन्होंने कहा कि यहां भाजपा कार्यकर्ताओं से तो सुधरने की अपेक्षा की जाती है, पर अधिकारी न सुधरें तो कोई बात नहीं। इससे पहले मनसे कार्यकर्ता से उनकी बातचीत का ऑडियो भी काफी वायरल हुआ था। छठी बार लोकसभा में पहुंचे कैसरगंज (गोंडा) से सांसद ब्रज भूषण शरण सिंह के चर्चे दूर-दूर तक हैं। कुछ दिन पहले उच्चस्तर से भाजपा कार्यकर्ताओं और विधायकों को ठेके-पट्टों से दूर रहने के साथ ही सुधरने की नसीहत दी गई थी।

बीच गोंडा के तरबगंज क्षेत्र के शरीफगंज बंधा मार्ग की दुर्दशा पर उनका एक वीडियो आ गया। इसे खुद उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया था। इसमें इस मार्ग की एक पुलिया पर गड्ढे दिखाते हुए वे कह रहे हैं कि राहगीरों के मरने का इंतजाम कर दिया गया है। अधिकारियों की तानाशाही चल रही है। आखिर में व्यंगात्मक लहजे में कहते हैं- जय हो पीडब्ल्यूडी की, जय हो अधिकारियों की। ब्रज भूषण ने कहा कि डीएम की मौजूदगी में खराब सड़क का मुद्दा निगरानी समिति की बैठक में उठा चुका हूं, लेकिन जब कोई सुधार नहीं हुआ तो सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बात रखनी पड़ी। उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व अयोध्या के तत्कालीन डीएम ने गोंडा से राम की पैड़ी पर आने वाले छोटे पुल पर भारी वाहनों को रोकने के लिए चार पिलर लगा दिए। इनसे टकराकर कई लोगों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि क्या इस तरह के मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों पर मुकदमा नहीं होना चाहिए?

प्रदेश में विकास की राजनीति कर रही भाजपा : शलभ मणि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देवरिया सदर से चुनकर पहली बार विधान परिषद पहुंचे विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने विधान सभा में अपने पहले भाषण में ही लोगों का ध्यान खींचा। शलभ ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विपक्ष नफरत की राजनीति कर रहा है लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने जाति, धर्म से ऊपर उठकर योगी आदित्यनाथ को दोबारा सरकार में लाकर यह साबित किया है कि भाजपा विकास की राजनीति कर रही है। शलभ ने राहत इंदौरी के शेर कैंचियां हमें उड़ने से खाक रोकेंगी, हम परों से नहीं हौंसलों से उड़ते हैं से अपनी बात को समाप्त किया।

शलभ मणि त्रिपाठी ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान देवरिया व कुशीनगर में कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब कोविड-19 बीमारी आई तो देवरिया समेत प्रदेश के 36 जिलों में एक भी वेंटीलेटर नहीं थे। ऐसे कठिन समय में सीएम योगी के नेतृत्व में सरकार ने तेजी से काम किया। दो वर्ष के भीतर देवरिया में महर्षि देवरहा बाबा के नाम पर मेडिकल कॉलेज देने का कार्य किया। आप देखेंगे कि उप्र जल्द ही सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य होने वाला है। बीमारी सफाए के कगार परहै। पूर्वांचल के बच्चे स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

योगी सरकार ने विदेशी कोयले की खरीद पर लगाई रोक

» निजी क्षेत्र के बिजली उत्पादक भी नहीं कर सकेंगे आयात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य सरकार द्वारा विदेशी कोयला खरीदने की अनुमति न दिए जाने से निजी क्षेत्र के स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों को भी इस संबंध में निकाले गए टेंडर निरस्त करने होंगे। कारण है कि आयातित कोयले से बिजली महंगी होने की किसी भी तरह की भरपाई न सरकार और न ही पावर कारपोरेशन प्रबंधन द्वारा किया जाएगा। विदेशी कोयले से एक रुपए यूनिट तक बिजली महंगी होने के कारण उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने नियामक आयोग में याचिका दाखिल कर आयातित कोयले पर रोक लगाने की मांग की थी।

इस पर आयोग ने पावर कारपोरेशन प्रबंधन से जवाब-तलब किया था। चूंकि विदेशी कोयले से लगभग 11 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्ययभार आ रहा था इसलिए प्रबंधन ने सरकार से अनुमति मांगी थी। चूंकि सरकार ने अनुमति नहीं दी है इसलिए राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा विदेशी कोयला खरीदने के लिए अब टेंडर प्रक्रिया नहीं की जाएगी। गौर करने की बात यह है कि निजी क्षेत्र के स्वतंत्र विद्युत उत्पादक रोजा, बजाज, लैंको आदि विदेशी कोयला खरीदने के लिए टेंडर निकाल चुके हैं। सरकार द्वारा अनुमति न दिए जाने पर अब सभी को टेंडर निरस्त करना होगा।

भूमि अधिग्रहण प्रकरण में राज्य सरकार को नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के भूमि अधिग्रहण प्रकरण में राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। अदालत ने याचिकाकर्ता की इस दलील कि बगैर कार्यपरिषद की सहमति के सरकार विवि के जमीन का अधिग्रहण नहीं कर सकती है, पर सहमति व्यक्त किया है। मालूम हो कि अयोध्या में बन रहे श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने डॉ राममनोहर लोहिया अवध विवि की लगभग 25 एकड़ जमीन व लगभग 50 करोड़ के भवन बिना एक धेला किए हुए ले लिया है।

विवि स्वायत्तशासी संस्था है और कार्यपरिषद इसकी सर्वोच्च निर्णायक समिति। उत्तर प्रदेश राज्य विवि अधिनियम 1973 के अनुसार कार्य परिषद का निर्णय ही अंतिम होता है। यहां तक कि कुलाधिपति/ राज्यपाल भी कोई निर्णय लेते हैं तो उसके अनुपालन के लिए कार्य परिषद को इंगित किया जाता है। भूमि अधिग्रहण के प्रकरण में विवि की कार्यपरिषद ने उत्तर प्रदेश सरकार को भूमि देने से मना कर दिया था। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने कैबिनेट में एक प्रस्ताव पास कर बिना मुआवजा दिए जमीन और भवनों का अधिग्रहण कर लिया है। राज्य सरकार के इस निर्णय के खिलाफ अवध विवि पुरातन छात्र सभा के अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह ने माननीय उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल कर भूमि के बदले भूमि व भवनों के मुआवजे की मांग की है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

राज्य सभा के जरिए सेफ दरवाजे से एंट्री करेगी प्रियंका गांधी!

» राजस्थान से भेजी जा सकती हैं राज्य सभा

» प्रियंका का यूपी से राजनीति में प्रवेश मुश्किल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य सभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है। राजस्थान की चार सीटें 4 जुलाई को खाली हो रही हैं, जिनके लिए निर्वाचन होना है। 31 मई तक नामांकन पत्र लिए जाएंगे। इन चार सीटों में से दो पर कांग्रेस की और एक पर भाजपा की जीत पक्की है। दोनों पार्टियां चौथी सीट को जीतने के लिए ताकत लगा रही हैं। इसके लिए कांग्रेस को दो और भाजपा को आठ विधायकों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। इस बीच चर्चा यह भी है कि प्रियंका गांधी को राजस्थान से राज्य सभा भेजा जा सकता है।

इससे उनकी सक्रिय राजनीति में सेफ एंट्री हो सकती है। राजस्थान की 200 सीटों वाली विधान सभा में राज्य सभा सीट जीतने के लिए 41 वोटों की जरूरत है। कांग्रेस के पास 108 और भाजपा के पास 71 वोट है। राज्य सभा की चौथी सीट जीतने के लिए कांग्रेस को 15 और भाजपा को 13 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। विधान सभा में 13 निर्दलीय, दो बीटीपी, 3 आरएलपी, 2 माकपा और 1 आरएलडी के विधायक हैं। छोटी पार्टियां और निर्दलीय ही तय करेंगे कि चौथी सीट किसके खाते में जाएंगी। सूत्रों के अनुसार 13 में से 11 निर्दलीय और आरएलडी का एक विधायक कांग्रेस को समर्थन दे सकते हैं। इस तरह चौथी सीट पर कांग्रेस अपना दावा मजबूत कर लेगी।

बता दें कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सभा चुनाव के लिए बिसात बिछा दी है। उन्होंने निर्दलीय विधायकों से सीएम आवास पर मुलाकात की। साफ है कि बाड़ेबंदी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उनसे मिलने वाले विधायकों में संयम लोढ़ा, खुशवीर सिंह, आलोक बेनीवाल, सुरेश टांक, रामकेश मीणा, महादेव खंडेला, ओम हुडला, बाबूलाल नागर, रमिला खड़िया, लक्ष्मण मीणा, कांति मीणा शामिल थे। इन विधायकों ने गहलोत को भरोसा दिलाया कि राज्य सभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी को समर्थन देंगे।

कांग्रेस में प्रियंका का नाम सबसे आगे

कांग्रेस से राज्य सभा भेजे जाने के लिए कई दावेदार हैं। तीन सीटों को ध्यान में रखते हुए दो टिकट राष्ट्रीय स्तर पर और एक टिकट राज्य स्तर पर दिया जा सकता है। दो पक्की सीटों पर प्रियंका गांधी, अंबिका सोनी, गुलाम नबी आजाद, अजय माकन, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश और आनंद शर्मा के नाम चर्चा में हैं। वहीं राजस्थान से भंवर जितेंद्र, रघुवीर मीणा, दुरु मियां, दिनेश खोड़निया और वर्तमान डीजीपी एमएल लाठर को भी राज्य सभा भेजा जा सकता है। अंतिम फैसला एआईसीसी की बैठक में होगा। चिंतन शिविर में युवाओं को तरजीह देने के फैसले को देखते हुए अजय माकन, सुरजेवाला की दावेदारी मजबूत मानी जा सकती है।

चुनाव के लिए सपा में उम्मीदवारों पर मंथन

समाजवादी पार्टी में राज्य सभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम पर मंथन का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश में मौजूदा संख्या बल के हिसाब से समाजवादी पार्टी तीन सदस्यों को राज्य सभा भेज सकती है। ऐसे में पार्टी कारोबारी, पूर्व नौकरशाह और पार्टी के पुराने वफादारों के साथ दूसरे राज्यों के कुछ चेहरों पर भी मंथन कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जो तीन नाम सबसे आगे चल रहे हैं, उनमें सलीम शेरवानी, आलोक रंजन और कपिल सिब्बल का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। आलोक रंजन उत्तर प्रदेश के पूर्व चीफ सेक्रेटरी रहे हैं और अखिलेश यादव के काफी करीबी माने जाते हैं और कपिल सिब्बल कांग्रेस के बड़े नेता हैं। बता दें कि राज्य सभा की 11 सीट के लिए 24 मई से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो रही है। मौजूदा समय में सपा के पांच सांसद राज्य सभा में हैं। इनमें कुंवर रेवती रमन सिंह, विशंभर प्रसाद निषाद, और सुखराम सिंह यादव का कार्यकाल 4 जुलाई को समाप्त हो रहा है। चौधरी सुखराम अब बीजेपी खेमे हैं तो विशंभर प्रसाद निषाद विधान सभा चुनाव हार चुके हैं। कुंवर रेवती रमन सिंह के बेटे उज्जवल सिंह 2022 का चुनाव हार चुके हैं। ऐसे में पार्टी नए चेहरे को मौका देने पर ज्यादा जोर दे रही है।

नरेश अग्रवाल, संजय सेठ और शिवप्रताप को भाजपा से मिल सकता है टिकट

सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व राज्य सभा सदस्य नरेश अग्रवाल, भाजपा के मौजूदा राज्यसभा सदस्य शिवप्रताप शुक्ला, संजय सेठ, जफर इस्लाम और जय प्रकाश निषाद को फिर राज्य सभा का टिकट मिल सकता है। योगी सरकार टू के गठन के बाद मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित हुई भाजपा कोर कमेटी की बैठक में राज्य सभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामों के पैनल पर मुहर लगी। सूत्रों के अनुसार राज्य सभा चुनाव में पार्टी आठ सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। इनमें से चार से पांच उम्मीदवार यूपी से होंगे जबकि तीन से चार उम्मीदवार केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा। इनमें दूसरे प्रदेशों के नेताओं को भी यूपी से राज्य सभा भेजा जा सकता है। बैठक में मौजूदा राज्य सभा सदस्य जफर इस्लाम, शिव प्रताप शुक्ला, सुरेंद्र सिंह नागर, संजय सेठ और जय प्रकाश निषाद का नाम पैनल में भेजने पर सहमति बनी। वहीं भाजपा नेता नरेश अग्रवाल को भी राज्य सभा टिकट देने पर सहमति बनी।

आजम-शिवपाल की जोड़ी सपा के लिए बनेगी सिरदर्द, चल सकती है नया दांव

प्रदेश में नए समीकरण की सुगबुगाहट तेज आजम के रुख से जा रहा बड़ा संदेश

» सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर भी दिखाने लगे हैं तेवर, अखिलेश पर साध रहे निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव और आजम खान की नाराजगी समाजवादी पार्टी के लिए आगामी राज्य सभा और विधान परिषद चुनावों में सिरदर्द बन सकती है। पार्टी के कई नाराज विधायक शिवपाल सिंह यादव और आजम खां के सम्पर्क में हैं। यही नहीं सहयोगी दल के नेता भी शिवपाल से मुलाकात कर चुके हैं। ओम प्रकाश राजभर ने भी अपनी नाराजगी को खुले मंचों से जाहिर करना शुरू कर दिया है। सुभासपा प्रमुख पिछले दो दिनों से सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साध रहे हैं। इसके कारण सियासी गलियारों में चर्चा गर्म हो गयी है कि राजभर, शिवपाल और आजम खां मिलकर नया सियासी दांव चल सकते है।

सपा विधायक दल की बैठक से आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला और शिवपाल यादव तीनों ने ही दूरी बनाए रखी। यही नहीं आजम खां ने विधान सभा की सदस्यता की शपथ ली लेकिन सत्र में भाग नहीं लिया। उन्होंने सपा संरक्षक मुलायम सिंह से भी मुलाकात नहीं की। इसी बीच सुभासपा के अध्यक्ष ओपी राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। इससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि तीनों नेता मिलकर कोई नया सियासी गुल खिलाने की तैयारी में है। गौरतलब है कि आजम खान 10वीं बार चुनकर विधान सभा पहुंचे हैं। आजम खां समाजवादी पार्टी के सबसे वरिष्ठ विधायक हैं। विधान सभा में आजम हमेशा से ही सपा के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाते रहे हैं चाहे वे मुलायम सिंह यादव की सरकार रही हो या अखिलेश की। संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते आजम खान ही विधान सभा की कार्यवाही में सपा का पक्ष रखते रहे थे। चूंकि अब संबंधों में जिस तरह की दूरी देखने को मिल रही है तो ये देखना भी काफी दिलचस्प होगा कि आजम खुद को इस विधान सभा सत्र में किस भूमिका में रखते हैं। फिलहाल वे शपथ लेने के बाद भी विधान सभा सत्र में शिरकत नहीं कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक आजम खां ने अखिलेश यादव से फोन पर बातचीत भी नहीं की। जिस तरह से आजम का सीतापुर जेल के बाहर शिवपाल यादव ने अपने समर्थकों के साथ स्वागत किया उससे यूपी की सियासत में नए समीकरण बनने के आसार दिखने लगे हैं। सपा के मुस्लिम विधायक पार्टी के स्टैंड को लेकर बहुत खुश नहीं है। उनका मानना है कि एकतरफा वोट देने के बाद भी पार्टी उनकी तकलीफों में साथ नहीं है। ऐसे में सभी की नजरें अब आजम खां के अगले कदम पर टिकी हैं।

राज्य सभा चुनाव में बढ़ेंगी मुश्किलें

अखिलेश यादव इन दिनों कई बड़े नेताओं के बागवती रुख से जूझ रहे हैं। इस बीच विधान सभा में जिस तरह सपा अलग-थलग पड़ती दिखी उससे राज्य सभा चुनाव में भी पार्टी की राह आसान नहीं मानी जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव पर अपनों का दबाव काफी बढ़ चुका है और यदि समय रहते उन्होंने बागी सुरों को शांत नहीं किया तो आने वाले समय में मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

अपनों ने भी छोड़ा साथ

विधान सभा के बजट सत्र के पहले दिन जहां एक तरफ सपा के विधायक हंगामा कर रहे थे तो गठबंधन के कई साथी शांत बैठे रहे। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक चुपचाप अभिभाषण सुनते रहे तो विधान सभा की कार्यवाही के बाद पार्टी प्रमुख ओपी राजभर ने सपा के हंगामे का खुलकर विरोध किया। उन्होंने इसे गलत परंपरा बताते हुए सपा प्रमुख के फैसले पर सवाल उठा दिए। वहीं, आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम और अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव भी बेहद खामोशी से बैठे रहे। उन्होंने इस हंगामे से खुद को पूरी तरह अलग रखा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

क्वाड सम्मेलन के निहितार्थ

नवंबर 2017 में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान ने क्वाड की स्थापना के प्रस्ताव को आकार दिया। इसका मकसद सामरिक रूप से अहम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी के बीच प्रमुख समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नई रणनीति विकसित करना था ताकि चीन की वजह से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बनी अस्थिरता के हालात को नियंत्रित किया जा सके।

चौथा क्वाड शिखर सम्मेलन जापान के टोक्यो शहर में संपन्न हुआ। इसमें भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों और आतंकवाद पर चर्चा हुई। इसके साथ शांति, स्थिरता और समृद्धि के उद्देश्य से एक मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत के निर्माण पर बल दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त और समावेशी बनाए रखने में अपनी साझी प्रतिबद्धता दोहरायी। सवाल यह है कि क्या क्वाड समूह इस क्षेत्र में बसे छोटे देशों के आर्थिक विकास का वाहक बन सकेगा? क्या क्वाड देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर चीन की विस्तारवादी नीति पर लगाम लगाने में कामयाब होंगे? क्या क्वाड के जरिए भारत, चीन की घेराबंदी कर रहा है? क्या क्षेत्र की शांति को बरकरार रखने के लिए चीन को हाशिए पर पहुंचाना जरूरी है? क्या चीन की विस्तारवादी नीति से परेशान छोटे देशों को क्वाड देश सुरक्षा प्रदान कर सकेंगे?

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया, भारत, इंडोनेशिया, जापान, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाइलैंड, वियतनाम जैसे देश आते हैं। चीन इस क्षेत्र में अपनी विस्तारवादी नीति संचालित कर रहा है। इसके कारण फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देश सशंकित रहते हैं। भारत शुरू से इस क्षेत्र को मुक्त रखने की वकालत करता रहा है। इसी उद्देश्य से क्वाड की स्थापना की गयी। नवंबर 2017 में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान ने क्वाड की स्थापना के प्रस्ताव को आकार दिया। इसका मकसद सामरिक रूप से अहम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी के बीच प्रमुख समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नई रणनीति विकसित करना था ताकि चीन की वजह से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बनी अस्थिरता के हालात को नियंत्रित किया जा सके। इसका एजेंडा है कि हिंद-प्रशांत की जो भी कॉमन समस्याएं हैं और जो सारे देशों को परेशान करती हैं उनसे किस प्रकार निपटा जाए। चीन इससे घबरा गया है। उसे लग रहा है कि अगर यह एजेंडा काम करता है तो वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हाशिये पर चला जाएगा। वहीं भारत, क्वाड के जरिए न केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की विस्तारवादी नीति पर नकेल कसना चाहता है बल्कि उस पर लगातार कूटनीति दबाव बनाए रखना चाहता है। इसमें दो राय नहीं कि जैसे-जैसे क्वाड देश आगे बढ़ेंगे हिंद-प्रशांत क्षेत्र का न केवल आर्थिक विकास होगा बल्कि यहां स्थित छोटे देशों को भी चीन की विस्तारवादी नीति से सुरक्षा मिल सकेगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आतंकवाद की बढ़ती चुनौती

अनिल त्रिगुणायत

दो दशक पहले जब शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की स्थापना हुई थी, तब उसके मुख्य उद्देश्यों में आतंकवाद निरोध भी था। इस संस्था के प्रारंभिक संस्थापक दो बड़े देश- रूस और चीन थे। अब भारत समेत नौ देश इसके सदस्य हैं। इस संस्था के तहत आतंक रोकने के लिए जो घटक बना है, उसे एससीओ-रैट्स (रिजनल एंटी टेरर स्ट्रक्चर) कहा जाता है। बीते दिनों इसकी महत्वपूर्ण बैठक नयी दिल्ली में हुई। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं हो रही है लेकिन इस बैठक में पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। इसमें भारत के अलावा चीन, पाकिस्तान, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के प्रतिनिधि शामिल हुए। अफगानिस्तान का दर्जा पर्यवेक्षक देश का है।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल की पहल पर पिछले साल नवंबर में पांच मध्य एशियाई देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक हुई थी, जिसका मुख्य मुद्दा अफगानिस्तान की स्थिति थी। उसमें ईरान और रूस के अधिकारियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। भारत उन देशों में है, जो आतंकवाद, खास कर सीमा पार से संचालित होनेवाले आतंकवाद से सबसे अधिक पीड़ित हैं इसलिए क्षेत्रीय संदर्भ में भी रैट्स की बैठक अहम हो जाती है। इस इकाई का भारत अभी अध्यक्ष भी है, इसलिए भी जरूरी है कि आतंक के मसले पर ध्यान केंद्रित किया जाए। बैठक में तय हुआ है कि अक्टूबर में भारत में आतंकरोधी प्रक्रियाओं पर एक अभ्यास का आयोजन होगा, जिसमें ये सभी देश भी भाग लेंगे। साल 2023 में भारत एससीओ का अध्यक्ष बनेगा। उस लिहाज से भी ये आयोजन अहम हैं। इन पहलों के संदर्भ में दो बातें उल्लेखनीय हैं। एक तो यह कि पाकिस्तान इस समूह का सदस्य है और इसका अगुवा है चीन। भारत के लिए सबसे बड़ी समस्या सीमा पार से संचालित आतंकवाद है, जिसे पाकिस्तान का पूरा संरक्षण व समर्थन मिलता है। पाकिस्तान हमारे यहां हिंसक गतिविधियों को बढ़ाने के साथ अतिवादी विचारों को फैलाने में भी सहायता देता रहा है। अब सवाल यह पैदा होता है कि क्या इस समूह के देश और उनके प्रयासों से पाकिस्तान की हरकतों पर रोक लगना संभव होगा। दूसरे अफगानिस्तान में पिछले दो सालों में जिस तरह घटनाक्रम बदला है, वह चिंताजनक है। पाकिस्तान में कुछ दिन

पहले सिख समुदाय के दो लोगों की हत्या हुई है। वहां आतंकी हमलों में तेजी आयी है। अफगानिस्तान में भी लगातार आतंकी वारदातें हो रही हैं। पाकिस्तान सीधे तौर पर आतंकी और चरमपंथी गुटों को शह देता है। ऐसे में यह देखना होगा कि किस तरह से एससीओ के सदस्य देश पाकिस्तान को यह कहेंगे कि वह आतंकियों पर पूरा अंकुश लगाए। जहां तक चीन की बात है तो हमने मसूद अजहर के मामले में उसका रवैया देखा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जब उसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करने और उस पर पाबंदी लगाने की कोशिशें हुईं, तो चीन ने अपने वीटो का इस्तेमाल कर कई बार अड़ंगा लगाया। इससे यही साबित होता है कि जब भारत में आतंक की समस्या की बात आती है तो चीन उसे लेकर गंभीर नहीं होता। अब यह चिंता भी सामने है कि अफगानिस्तान से जो आतंक पनपेगा, उससे सभी नौ सदस्य देशों के लिए समस्या पैदा होगी। ऐसे में रैट्स व्यवस्था के तहत ठोस पहलों की अपेक्षा की जा सकती है। चीन को भी अपने यहां पीटीआईएम जैसे गुटों के आतंकवाद को रोकना है, तो उसे भी गंभीर होना पड़ेगा।

मध्य एशियाई देशों में भी आतंकी गुट हैं। ईरान में भी ऐसी समस्याएं हैं. अफगानिस्तान एक तरह से आतंकियों का केंद्र बन गया है। वहां तालिबान आज सत्ता में है। उसे मान्यता नहीं दी गयी है पर भारत समेत कई देश उसकी मानवीय सहायता कर रहे हैं। जो लोग आतंकवाद को औजार बनाकर खुद ही सत्ता में आये हों, उनका क्या रवैया रहेगा, यह बड़ा सवाल सबके सामने है। भारत ने हमेशा चाहा है कि पाकिस्तान के रवैये में सकारात्मक बदलाव आये, चाहे वहां की सत्ता किसी के हाथ में रही हो। पाकिस्तान से भारत को आतंकवाद के अलावा कोई अन्य समस्या नहीं है। भारत द्विपक्षीय स्तर पर कश्मीर मसले पर भी पाकिस्तान के साथ चर्चा करने के लिए तैयार है, पर उसके लिए जरूरी है कि अच्छा माहौल बने। यह तभी हो सकता है जब पाकिस्तान भारत विरोधी गिरोहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे। यह संतोषजनक है कि एससीओ-रैट्स के मंच पर ही सही पाकिस्तान सहयोग करता दिख रहा है। वहां जो नयी सरकार आयी है, उसके रुख का अनुमान अभी लगा पाना मुश्किल है। कुछ दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर को लेकर बयान दिया गया है. ऐसा रवैया बेहतर माहौल बनाने की राह में अवरोध बन सकता है।

संवेदनशील मुद्दे पर व्यवस्था की उम्मीद

अनूप भटनागर

पत्नी की इच्छा के विरुद्ध उसके साथ संबंध को अपराध से बाहर रखने संबंधी धारा 375 के अपवाद दो के बारे में हालांकि अभी तक कोई सुविचारित न्यायिक व्यवस्था नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि जल्द ही इस संवेदनशील मुद्दे पर सुविचारित व्यवस्था मिल जायेगी। यह संवेदनशील मामला अब शीर्ष अदालत पहुंच गया है जहां इससे जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे विचार के लिए उसके सामने आ सकते हैं। इनमें सबसे पहला सवाल तो यही है कि क्या पत्नी से जबरन संबंध अपराध की श्रेणी में आता है या नहीं? यदि यह अपराध है तो ऐसे मामले में पति पर मुकदमा चलने पर संबंधित परिवार की क्या स्थिति होगी और क्या भविष्य में पति ऐसा आरोप लगाने वाली पत्नी के साथ रहेगा?

यही नहीं, भारतीय दंड संहिता के तहत दोषी पाये जाने पर पति को क्या सजा दी जाये, क्या ऐसे मामले में पति को जबरदस्ती के अपराध के जुर्म में सख्त सजा होनी चाहिए या इसके लिए अलग से कोई विशेष प्रावधान होना चाहिए? और ऐसी घटनाओं का वैवाहिक संस्था की स्थिति पर क्या असर पड़ेगा? उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों ने वैवाहिक बलात्कार के अपराध के लिए सजा के बारे में सवाल किया तो महिलाओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने कहा कि इसके लिए सजा की एक नीति होनी चाहिए। इन वरिष्ठ अधिवक्ताओं का कहना था कि इस अपवाद को चुनौती देने का मतलब वैवाहिक रिश्तों के चलते प्रत्येक व्यक्ति को सजा दिलाना नहीं है लेकिन यह उन मामलों में ही जबरदस्ती के अपराध के आरोप में कार्रवाई चाहती है, जिनमें पत्नी के एक बार 'नहीं' कहने का सम्मान नहीं किया जाता है। महिलाओं के हितों की रक्षा करने का दावा कर रही अधिवक्ताओं का तर्क है कि उनका उद्देश्य पत्नी के साथ जबरन यौनाचार से पतियों को कानूनी कार्यवाही से मिली कानूनी छूट रद्द कराना है ताकि स्त्री को अपने शरीर की गरिमा की रक्षा का अधिकार मिल सके। इस प्रावधान को निरस्त कराने के प्रयासों का विरोध कर रहे पुरुषों के संगठन की दलील है कि इस अपवाद को समाप्त करने से इसके दुरुपयोग की संभावनाएं बढ़ जायेंगी। पुरुषों के संगठन 'मेन वेलफेयर ट्रस्ट' के अध्यक्ष अमित लखानी धारा 375 के अपवाद-दो को खत्म को कराने के किसी भी प्रयास का विरोध कर रहे हैं। इस संगठन का तर्क है कि धारा 375 में प्रदत्त इस अपवाद से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ वैवाहिक संस्थाओं और अनेक वैवाहिक जिंदिगयों को अपूरणीय नुकसान पहुंचा सकती है। यही नहीं, इस अपवाद को समाप्त करने की स्थिति में पति-पत्नी की निजी जिंदगी में तीसरे पक्ष को अनावश्यक दखल देने का अवसर मिलने की आशंका बढ़ जायेगी जैसा कि धारा 498 ए के मामले में अक्सर देखा जा रहा है। इस धारा के दुरुपयोग को लेकर अनेक न्यायिक व्यवस्थाएं हैं। पुरुष संगठन का तर्क रहा है कि भारत में पत्नी को भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए, धारा 377 और धारा 376 बी में संरक्षण प्राप्त है। इसके अलावा उनके लिए महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण कानून भी है, जिसके तहत वे दीवानी और आपराधिक कार्यवाही के जरिए राहत प्राप्त कर सकती हैं। उच्चतम न्यायालय पहले ही पत्नी से जबरन यौनाचार करने वाले पति पर बलात्कार के आरोप में मुकदमा चलाने की अनुमति देने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ नोटिस जारी कर चुका है। हालांकि शीर्ष अदालत ने पति पर मुकदमा चलाने के आदेश पर रोक नहीं लगाई है। उच्च न्यायालय ने वैवाहिक जबरदस्ती से संबंधित एक प्रकरण में पति के खिलाफ बलात्कार के अपराध की धारा 376 के तहत मुकदमा चलाने की इजाजत दी है। हालांकि उच्च न्यायालय ने इस मामले में धारा 375 के अपवाद दो के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बीच, पत्नी से जबरन यौनाचार को बलात्कार नहीं मानने संबंधी भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के अपवाद दो को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दिल्ली उच्च न्यायालय के खंडित निर्णय का मामला भी उच्चतम न्यायालय पहुंच गया है। इस खंडित फैसले में उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने धारा 375 के अपवाद दो को निरस्त कर दिया है जबकि पीठ के दूसरे सदस्य ने इस प्रावधान को बरकरार रखा है।

सवाल है कि अगर वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में शामिल किया जाता है तो इसके लिए किस तरह की सजा होगी? क्या ऐसे मामले में पति को बलात्कार के अपराध के जुर्म में सख्त सजा होनी चाहिए या इसके लिए अलग से कोई विशेष प्रावधान होना चाहिए? कर्नाटक उच्च न्यायालय का कहना है कि पतियों को इस तरह का विशेषाधिकार संविधान के अनुच्छेद 14 में प्रदत्त समता के अधिकार का हनन करता है। दिल्ली उच्च न्यायालय में इस प्रकरण में न्याय मित्र रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राज शेखर राव का भी तर्क रहा है कि यह अपवाद महिलाओं को समता और गरिमा के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन करता है। ऐसी ही एक जनहित याचिका अभी गुजरात उच्च न्यायालय में भी लंबित है। केंद्र सरकार ने इस अपवाद के बारे में उच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में कहा था कि धारा 375 सहित आपराधिक कानून में व्यापक संशोधन करने पर विचार किया जा रहा है। इस सवाल पर सभी हितधारकों के विचार जानने के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जायेगा लेकिन केंद्र ने इस सवाल पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है कि पत्नी की मर्जी के बगैर उसके साथ यौनाचार को भी अब बलात्कार की श्रेणी में शामिल किया जाएगा या नहीं। इसमें संदेह नहीं कि इस संवेदनशील विषय पर उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

स्वाद ही नहीं, मसल्स और हड्डियों को मजबूती भी देता है

करी पत्ता

आमतौर पर दक्षिण भारतीय भोजन में खास फ्लेवर डालने के लिए करी पत्ता का इस्तेमाल किया जाता है। खाने में इसका इस्तेमाल स्वाद तो बढ़ाता ही है। सेहत के लिए भी करी पत्ता बहुत फायदेमंद है। तमिल भाषा में करी का अर्थ मसाला होता है। करी पत्ते को कई जगहों पर मीठा नीम के नाम से भी जाना जाता है। नेटमेड के मुताबिक करी पत्ता में भरपूर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक, मल्टीविटामिन और फ्लेवोनोइड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो कई तरह से हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आयुर्वेद के मुताबिक करी पत्ता एनीमिया, मधुमेह, अपच, मोटापा, किडनी की समस्या, हेयर और स्किन से जुड़े प्रॉब्लम को ठीक करने के लिए भी किया जाता रहा है।

डायजेशन सुधारे

करी पत्ता में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन को बेहतर रखने और पेट की कई समस्या को दूर करने में मददगार साबित होते हैं। इसके इस्तेमाल से चक्कर आना, उल्टी, दस्त आदि की शिकायत को कम किया जा सकता है।

घाव भरने के लिए

कड़ी पत्तों के उपचार प्रभाव का उपयोग पारंपरिक रूप से एशिया और अफ्रीका जैसे स्थानों में लंबे समय से किया जाता रहा है। उनके अर्क का उपयोग घावों की सतह की तन्यता को बढ़ाकर कट और जलने के उपचार के लिए किया जा सकता है, जबकि कुछ दिनों में इसके क्षेत्र को कम कर देता है। पत्तियों के जीवाणुरोधी गुण घाव को संक्रमण से भी बचाते हैं।

दर्द से राहत प्रदान करने में

कड़ी पत्ते के स्वास्थ्य लाभ में दर्द से राहत भी शामिल है। यह जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में दर्द और एक चोट से दर्द सहित एनाल्जेसिक उपचार की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर कर सकता है।

संज्ञानात्मक कार्य में सुधार

कड़ी पत्ते शरीर को महत्वपूर्ण विटामिन की आपूर्ति करके और मस्तिष्क में एसिटाइलकोलिनेस्टरेज़ एंजाइम के उत्पादन को कम करके मस्तिष्क के कार्य में एक संभावित महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नतीजतन स्मृति और संज्ञानात्मक कार्य में बहुत सुधार होता है। यह अल्जाइमर जैसी संज्ञानात्मक बीमारियों से सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जोड़ता है।

वजन में कमी

शोध से पता चलता है कि कड़ी पत्तों में ऐसे गुण होते हैं जो पाचन दर को बढ़ाते हुए शरीर में कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं। मानव चयापचय दर इस बात का माप है कि शरीर कितनी जल्दी खाद्य उत्पादों को ऊर्जा में बदल सकता है। एक तेजी से चयापचय दर एक व्यक्ति को अधिक तेजी से वसा जलाने की अनुमति देता है और अंततः वजन घटाने और स्वस्थ शरीर के वजन को बनाए रखने के लिए नेतृत्व करेगा।

सुबह की थकान में फायदेमंद

यदि रात भर सोने के बाद भी आप सुबह थका हुआ महसूस करते हैं तो करी पत्ते को पीसकर मिश्रण को पानी के साथ लेने से सुबह की बीमारी दूर हो सकती है। यह जैविक, सस्ता और बच्चे के लिए सुरक्षित साबित होता है।

तनाव और अवसाद में कमी

कड़ी पत्ते कई न्यूरोलॉजिकल विकारों जैसे अवसाद और चिंता के निराशाजनक प्रभावों को कम करने के लिए लाभदायक हैं। अनुसंधान से पता चलता है कि वे डोपामाइन के उत्पादन को उत्तेजित करते हैं। जो मस्तिष्क में एक सुखद एहसास के लिए जिम्मेदार एक रसायन है। यह लोकप्रिय एंटीडिपेंटेंट्स और एम्फैटेमिन के सकारात्मक व्यवहार की नकल करने के लिए भी जाना जाता है।

हंसना मना है

मंटू- यार, तू कल इतना दुखी क्यों था? चंटू- मेरी पत्नी ने साड़ी के लिए मुझसे 5,000 रूपए लिए थे। मंटू- लेकिन आज इतना खुश क्यों हो रहा है? चंटू- मेरी पत्नी वही साड़ी पहनकर तेरी पत्नी से मिलने जा रही है...

पत्नी (गुस्से में)- मैं घर छोड़ कर जा रही हूं पति (गुस्से में)- हां जान छोड़ो अब पत्नी : बस आपकी यही जान कहने की आदत ना हमेशा मुझे रोक लेती है...

प्रेमिका (प्रेमी से)- अरे बाबा, जल्दी खिड़की से कूदो पापा आ रहे हैं। प्रेमी- लेकिन यह तो 13वीं मंजिल है! प्रेमिका- अरे, यह शगुन-अपशगुन सोचने का वक्त नहीं है।

मंटू- यार, लड़कियों का ही अच्छा है। शादी से पहले पापा की परी होती हैं... और शादी के बाद घर की लक्ष्मी हो जाती हैं. चंटू- ...और लड़के? मंटू- लड़कों का क्या, शादी से पहले पापा से मार खाते हैं और शादी के बाद बीवी से!

टीचर स्टूडेंट से- ये बताओ कि नदी में नीबू का पेड़ लगा है तो उसे कैसे तोड़ोगे..? स्टूडेंट- चिड़िया बनकर.. टीचर- तुम्हें चिड़िया कौन बनाएगा...? स्टूडेंट- जो नदी में नीबू का पेड़ लगाएगा...

किचन टिप्स लड्डू बनाते समय उन पर काजू लगा दें और फिर निकाल दें.. खाने वालों को लगेगा कि शायद काजू गिर गया होगा।

कहानी — कौआ और लोमड़ी की दोस्ती

एक घने जंगल मे एक कौआ और लोमड़ी रहती थी। दोनो में गहरी दोस्ती थी। वे दोनों जहा भी जाते थे साथ जाते थे। वे जो खाते थे, वे साथ मे कहते थे इतना ही नही कौआ को अगर कोई अच्छी चीझ मिलती थी। तो वह लेकर आता था और लोमड़ी और कौआ साथ मे बैठकर खाते थे। उसी जंगल मे एक सियार रहता था। सियार को उनकी दोस्ती देखकर बहुत जलन होता था। वे सोचता था कैसे इन दोनों की दोस्ती तोड़े, वे दिन रात बस इसी सोच में डुबा रहता था। एक दिन सियार रात भर सोचा तो उसे एक आइडिया आई। वह सुबह ही लोमड़ी के पास अनजान बनकर गया और बोला कि लोमड़ी भाई तुम मुझसे दोस्ती करोगे। लोमड़ी उसे देखने लगी। फिर से सियार बोला मैं इस जंगल मे नया हूं, मुझे कोई नही जानता है। क्या तुम मुझसे दोस्ती करोगी। इतना सुनते लोमड़ी बोली तुम पहले चलो नेरे साथ मेरे दोस्त के पास। मुझे उनसे पूछना पड़ेगा वो बोले हा, तो मैं तुमसे दोस्ती करोगी। फिर वह कौआ के पास गए और कौआ से लोमड़ी ने सारी बात बताई। तब कौआ बोला हमे किसी पर ऐसे ही विश्वास नही करनी चाहिए। फिर लोमड़ी बोली क्या मैं तुम्हे जानती थी फिर भी हैम दोनो दोस्त बने, वैशे ही हम भी इसे अपना दोस्त मान लेते है। कौआ बोला ठीक है। फिर तीनो दोस्त बन गए। एक दिन की बात है जब कौआ कहि चला गया तो सियार ने सोचा, यही मौका है। कौआ और लोमड़ी को अलग करने का सियार लोमड़ी के पास गया और बोला लोमड़ी भैया अपने बगल वाला जंगल मे बहुत मीठा मीठा फल है। चलो न हम वहा से कुछ फल खाकर आते है। लोमड़ी बोली ठीक है। चलो! दोनों एक फल के खेत मे गए दोनो फल खाने लगे। तभी सीकरी आया और लोमड़ी पर जाल फेक दिया यह देख सियार बहुत खुश हुआ। और सोचा अब यह मर जाएगी, तो हमें खाने को मिलेगा। यह सोचते सोचते वह बहुत खुश हुआ और एक बड़ा सा पत्थर के पास जाकर छुपकर लोमड़ी और देखने लगा। तभी कौआ उसी रास्ते से घर जा रहा था। कौआ ने लोमड़ी को दोखा और लोमड़ी के पास गया। और सारी बात पूछा लोमड़ी ने सारी बात बताई उसके बाद कौआ ने लोमड़ी को एक उपाये बताया। तू मरने की एक्टिंग करना जब तुम्हें मरा हुआ शिकारी समझ लेगा तो तुम पर से वह जाल हटाएगा। जैसे वह जाल हटाएगा वैशे तुम तेजी से भाग जाना। अब इधर सियार के मन मे लडू फूटने लगा वह सोचने लगा, अब जाल निकलेगा। तभी शिकारी आया और लोमड़ी को मरा देखकर वह जाल उठाया। जाल उठाते ही लोमड़ी भाग गई। भागता देख शिकारी उस पर बरक्षी चलाई बरक्षी लोमड़ी को न लगकर सियार को लग गया। सियार बेचारा मार गया। अब लोमड़ी और कौआ दोनो साथ चले गए।

सीख : किसी के साथ बुरा न करना चाहिए। तब हमारे साथ भी बुरा नहीं होगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यदि आप राजनीति या सामाजिक जीवन से जुड़े हुए हैं, तो आपके लिए आज का दिन शुभ है। आयात-निर्यात, विदेशी कार्य-व्यापार तथा विदेश यात्रा के लिए भी बेहतर समय है।

वृषभ

आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। नए काम मिल सकते हैं।

मिथुन

आपका दिन अनुकूल रहने वाला है।आज आप अपने भविष्य की रूप रेखा बनायेंगे। वर्क फॉम होम कर रहे लोगों को आज अपने जूनियर से सहायता लेनी प?गी।

कर्क

आज मानसिक पीड़ा और विचारों में अस्थिरता बढ़ेगी जिसके कारण निर्णय लेने में आप कठिनाई का अनुभव करेंगे। आज अल्प प्रयास या बिना प्रयास के भी धन आने का योग बना हुआ है।

सिंह

आज स्थिति कुछ खराब रह सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है, फलस्वरूप कामों को सही ढंग से करने में आप स्वयं को थका हुआ महसूस कर सकते हैं।

कन्या

आज के दिन आपको अपने स्वतन्त्र अस्तित्व को बाजू पर रखना होगा। किसी बात को लेकर मन में उत्सुकता भी रहेगी। किसी व्यक्ति के साथ महत्वपूर्ण बातचीत भी हो सकती है।

तुला

आज का दिन जीवन में सुनहरे पल लेकर आने वाला वाला है। दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास के सहारे संबंधों में मजबूती आयेगी। आज आपकी वाणी ही आपका वरदान है7

वृश्चिक

वृश्चिक राशि वाले अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए आपको मेहनत करनी पड़ेगी। कोई बड़ा फैसला लेने के बारे में आप सोचते हैं।

धनु

आज का दिन शानदार रहने वाला है।आज आप अपने आपको चुस्त-दुरुस्त महसूस करेंगे। मन में नई चीज़ों को जानने की उत्सुकता बनेगी। आज आपका ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बीतेगा.

मकर

आप अपने आत्मविश्वास को फिर से हासिल करेंगे और पूरे समर्पण के साथ काम में जुटेंगे जो सकारात्मक विकास को जन्म देगा। आप एक से अधिक प्रोजेक्ट में शामिल होंगे और समय की।

कुम्भ

लोगों की दखलअंदाजी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है। लेकिन शांत रहना आपके फायदे में साबित होगा। संवेदनशीलता में वृद्धि होगी। आपको पैसा मिल सकता है।

मीन

आज आपके सितारे बुलंद रहने वाले हैं। अचानक धनलाभ होने के योग बन रहे है। ऑफिस का काम घर पर ही पूरा करने में व्यस्त रहेंगे।

स्कैम 2003 : फिर सामने आएगी सबसे बड़े घोटाले की कहानी

बॉलीवुड | मसाला

स्कैम 1992 : द हर्षद मेहता स्टोरी की सफलता के बाद अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने अपने पॉपुलर स्कैम फ्रेंचाइी के दूसरे सीजन स्कैम 2003 द तेलगी स्टोरी की घोषणा कर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अब क्रिएटिव और कास्टिंग टीमों ने फल विक्रेता तेलगी की भूमिका निभाने के लिए एकदम सही मैच ढूंढ लिया है, जिसने नकली स्टैंप पेपरों से साम्राज्य बनाया था। जी हां, स्कैम 2003 द तेलगी स्टोरी में अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका निभाने के लिए एक अनुभवी थिएटर कलाकार गगन देव रियार को चुना गया है। वे इस सीरीज में लीड रोल प्ले करेंगे। यह वेब सीरीज कर्नाटक के खानापुर में पैदा हुए एक फल-विक्रेता अब्दुल करीम तेलगी के जीवन और भारत में सबसे बड़े घोटालों में से एक के पीछे मास्टरमाइंड बनने की उनकी यात्रा पर बेस्ड है। कई राज्यों में फैले इस घोटाले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। स्कैम 2003 को पत्रकार संजय सिंह द्वारा लिखित हिंदी किताब रिपोर्टर की डायरी से अडैप्ट किया गया है, जिन्होंने इस घोटाले को समय पर ब्रेक किया था। इस वेब सीरीज का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हंसल मेहता और तुषार हीरानंदानी करेंगे। मुकेश छाबड़ा द्वारा कास्ट किये गए इस वेब सीरीज को सोनी लिव पर स्ट्रीम किया जायेगा। स्कैम 2003 : द तेलगी स्टोरी, को स्टूडियोनेक्स्ट के साथ मिलकर अप्लॉज एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस करेगा। सोशल मीडिया पर इस फिल्म की खूब चर्चा है। यह कहानी यूजर्स ने सराही है।

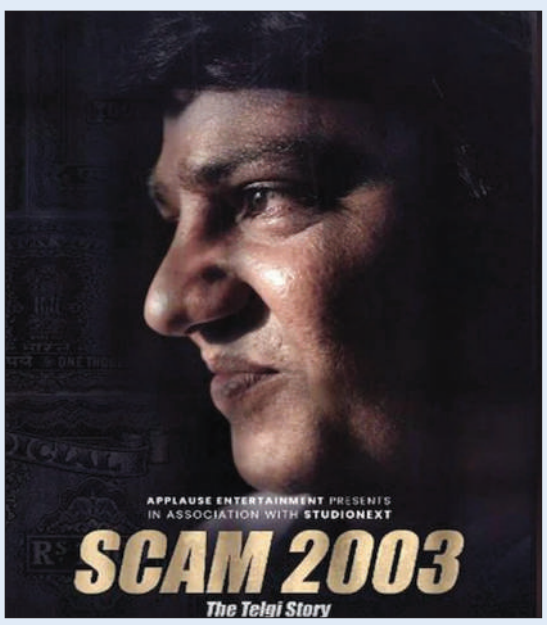

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में होगी दयाबेन की वापसी

सुपरहिट कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा पिछले कई सालों से दर्शकों को एंटरटेन करता आ रहा है। इस शो ने कई नए कलाकारों को एक खास पहचान हासिल करवाई। हालांकि, वक्त के साथ इस शो में कई नए सितारे जुड़े तो कई पुराने कलाकारों ने इसे अलविदा भी कह दिया, लेकिन यह शो दयाबेन के किरदार के बिना हमेशा ही अधूरा लगता है। ऐसे में दयाबेन के फैंस के लिए अब एक बड़ी खबर सामने आई है। पिछले कुछ समय से यह शो लगातार सुर्खियों में है। हाल ही में खबर आई थी कि तारक मेहता का किरदार निभाने वाले एक्टर शैलेश लोढ़ा ने इसे अलविदा कह दिया है। इसी के कुछ

दिन बाद ही खबर आई कि ग्लैमरस अदाओं का तड़का लगाने वाली मुनमुन दत्ता भी बबीता जी के रोल को छोड़ रही हैं। इन खबरों ने फैंस को काफी निराश कर दिया था। इसी बीच अब शो के निर्माता असित मोदी एक खुशखबरी लेकर आए हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के अनुसार कहा जा रहा है कि एक बार फिर से दयाबेन और जेठालाल की मस्ती गोकुलधाम सोसाइटी में रौनक लाने वाली है। फैंस को भी लंबे वक्त से दयाबेन की वापसी का बेसब्री से इंतजार है। अब शो निर्माता असित ने भी फैंस से वादा कर दिया है कि वह दयाबेन की जल्द ही वापसी करवाएंगे। उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में कहा कि 2022 में वह कोई भी अच्छा मौका देखकर दायबेन की वापसी करवाएंगे।

हालांकि असित मोदी ने साथ ही यह भी कह दिया कि उन्हें अभी नहीं पता कि दिशा वकानी ही दयाबेन के रूप में वापसी कर पाएंगी या उन्हें इस किरदार के लिए किसी को चुनना पड़ेगा। असित ने कहा, दिशा जी के साथ हमारे पारिवारिक रिश्ते हैं, लेकिन अब वह शादीशुदा हैं औरउनका एक बच्चा भी है। हर शख्स की अपनी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। इसलिए मैं इस पर कोई कमेंट नहीं कर सकता। असित ने आगे कहा, दिशा बेन या निशा बेन, कोई भी हो, लेकिन दयाबेन की एंट्री शो में जरूर होने वाली है। क्योंकि हम दर्शकों के मनोरंजन में कोई कमी नहीं करना चाहते। बता दें कि दिशा वकानी ने कई सालों तक दयाबेन के रूप में दर्शकों का खूब मनोरंजन किया, लेकिन 2017 में उन्होंने इस शो से ब्रेक लिया था। इसके बाद से ही शो में दयाबेन की जगह कोई और नहीं भर पाया।

बॉलीवुड | मन की बात

आयुष शर्मा ने छोड़ी कभी ईद कभी दिवाली

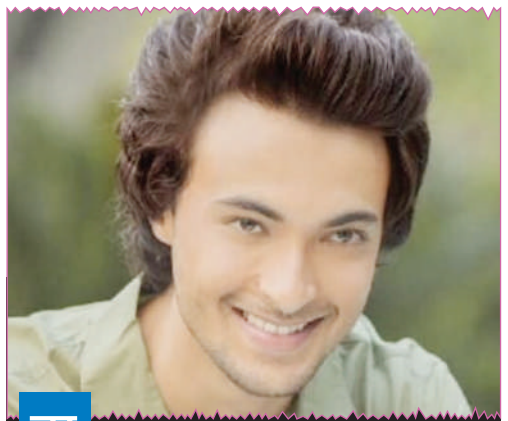

सलमान खान स्टारर फिल्म कभी ईद कभी दिवाली बनने से पहले ही चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कास्टिंग को लेकर इश्यूज हो गए हैं। कुछ दिनों से खबरें हैं कि सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा ने ये फिल्म छोड़ दी है। कहा गया कि डायरेक्टर फरहाद सामजी संग उनके क्रिएटिव डिफरेंस हो गए थे। इस मामले में अब नई जानकारी सामने आई है। ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आयुष शर्मा को मूवी में जस्सी गिल से रिप्लेस किया जा रहा है। आयुष के डायरेक्टर फरहाद सामजी संग क्रिएटिव मतभेद हुए थे। जिसके बाद सलमान खान इस मामले में पड़े। उन्होंने डायरेक्टर और आयुष दोनों से बातचीत कर मामले को सुलझाने की कोशिश की थी। सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि सलमान ने आयुष को कहा कि अगर वे और फरहाद इस इश्यू को सुलझाने में असमर्थ हैं तो बेहतर यही होगा कि वे कभी ईद कभी दीवाली को छोड़ दें।सलमान खान के समर्थन के बाद आयुष शर्मा ने फिल्म कभी ईद कभी दीवाली से पीछे हटने का फैसला लिया था। आयुष शर्मा के बाद जहीर इकबाल ने भी ये फिल्म छोड़ दी। सूत्रों के मुताबिक सिद्धार्थ निगम उनकी जगह लेंगे। अभी तक आयुष और जहीर के इस फिल्म को छोड़ने की ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। अगर आयुष ने ये फिल्म नहीं छोड़ी होती तो ये उनकी सलमान खान संग दूसरी मूवी होती। इससे पहले दोनों ने मूवी अंतिम में स्क्रीन शेयर किया था। कभी ईद कभी दिवाली में आयुष शर्मा सलमान खान के ऑनस्क्रीन भाई का रोल करने वाले थे। फिल्म में पूजा हेगड़े लीड हीरोइन हैं। साउथ एक्टर वेंकटेश भी अहम रोल में नजर आएंगे। कभी ईद कभी दिवाली में पंजाब की कटरीना कैफ शहनाज गिल भी नजर आएंगी।

यहां तपती गर्मी में रेत के अंदर दफना दिए जाते हैं लोग

दुनिया में कई देश अपने खास इलाज के तरीकों के लिए जाने जाते हैं। भारत को आयुर्वेद की वजह से चर्चा मिली है। यहां आयुर्वेद के साथ ही होमियोपैथ और एलोपैथ भी लोगों के बीच मशहूर है। कई ऐसे भी देश हैं, जहां इलाज के नाम पर लोगों को अलग-अलग तरह से टॉर्चर किया जाता है। इसी में से एक तरीका इजिप्ट में काफी मशहूर है। यहां नपुंसकता के इलाज एक नाम पर लोगों को रेगिस्तान की गर्म रेत में दस से पंद्रह मिनट के लिए दफना दिया जाता है। कहा जाता है कि इलाज का ये तरीका काफी असरदार है और ये हमेशा काम करता है। वेस्टर्न इजिप्ट के लोगों को ऐसा लगता है कि बीमारियों के इलाज के लिए प्राकृतिक तरीके ही परफेक्ट होते हैं। लेकिन इलाज के नाम पर गर्म रेत के अंदर इंसान को गर्दन तक दफना देने की तस्वीरें जब सामने आई, तो हर कोई हैरान रह गया। यहां जब गर्मी अपने चरम सीमा पर होती है, तब ऐसे लोग, जो गठिया या नपुंकसक होते हैं, उन्हें डाकरौर पहाड़ के पास मौजूद रेगिस्तान में गर्दन तक दफना दिया जाता है। इलाज से पहले मरीज को छाया में रखा जाता है, जिस दौरान उसे हेल्थ वर्कर मसाज देते हैं। मसाज हो जाने के बाद उन्हें गर्दन तक रेत में दफना दिया जाता है। यहां उन्हें दस से पंद्रह मिनट तक छोड़ दिया जाता है। इसके बाद बाहर निकाल कर उन्हें रेगिस्तान में बने टेंट्स में रखा जाता है। कहा जाता है कि तपते रेत में इंसान को दफना देने से उसकी बॉडी के जिस भी एरिया में दर्द होता है, वो गायब हो जाता है। इसके अलावा नपुंसक लोग भी इस थेरेपी के बाद ठीक हो जाते हैं। रेत से निकालने के बाद जिस टेंट में उन्हें रखा जाता है वो भी बेहद गर्म होता है। अगर ट्रीटमेंट कर रहे लोगों को ऐसा लगता है कि टेंट कुछ खास गर्म नहीं है, तो मरीज को उस गर्मी में गरमा गर्म काढ़ा पीने के लिए दिया जाता है। इस ट्रीटमेंट का मुख्य सोर्स गर्मी है। गर्म चीज से बॉडी की बीमारियां दूर हो जाती है, ऐसा यहां के लोगों का मानना है। तपती गर्मी में इलाज करवाने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं। अलेक्सांद्रिया में रहने वाले राफत इल फीकी पेशे से मैथ्स के टीचर हैं। उन्होंने बताया कि वो पिछले कुछ सालों से रेत में नहाने आते हैं। उनके डॉक्टर ने इस थेरेपी की सलाह दी थी। एक बार इसे करवाने के बाद उन्हें काफी आराम मिला। तबसे वो हर साल इस ट्रीटमेंट के लिए इजिप्ट आते हैं। इलाज के दौरान लोगों को रेत में दफनाने के बाद उसकी बॉडी पर रेत को रगड़ा जाता है। इस दौरान मरीज की बॉडी से कपड़े तक उतार दिए जाते हैं।

अजब-गजब | बैंकों में जमा हैं यहां के लोगों के 5 हजार करोड़ रुपये

भारत में बसा है दुनिया का सबसे अमीर गांव

भारत को एक कृषि प्रधान देश कहा जाता है। यहां के ज्यादातर लोग गांवों में रहते हैं। हालांकि समय के साथ कई लोग शहरों की तरफ रूख करने लगे। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जिन्हें ऐसा लगता है कि शहर के लोग गांव के मुकाबले अधिक पैसे कमाते हैं, तो ये खबर प?ने के बाद आ[की गलतफहमी दूर हो जाएगी। भारत के इस गांव का नाम दुनिया के सबसे अमीर गांवों में शामिल है। इस गांव में रहने वाले लोग भारत की आधी जनसंख्या जो शहरों और कस्बों में बसती है, से ज्यादा अमीर हैं। इस वजह से इसका नाम दुनिया के सबसे अमीर गांवों में शामिल किया जाता है। मदपार गांव में करीब 17 बैंक हैं । इस गांव में 76 सौ से अधिक मकन हैं और सभी पक्के घर हैं। गांव के लोगों ने अभी तक बैंकों में करीब पांच करोड़ रुपए जमा कर रखे हैं। जी हां, कच्छ जिले में मौजूद अट्ठारह गांवों में से एक का नाम मदपार है। जानकारी के मुताबिक, इस गांव में रहने वाले हर शख्स के बैंक खाते में 15 लाख रुपए है। इस गांव में सत्रह बैंक के अलावा स्कूल, कॉलेज, झील, पार्क, अस्पताल और मंदिर भी बने हैं। इसके अलावा यहां गौशाला भी मौजूद है। अब आप सोच रहे होंगे कि ये गांव भारत के बाकी गांवों से अलग क्यों है? इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है कि इस गांव में रहने वाले ज्यादातर लोगों के रिश्तेदार विदेश में रहते हैं। इसमें यूके,

अमेरिका, अफ्रीका के अलावा गल्फ के देश भी शामिल हैं। मदपार गांव के 65 प्रतिशत लोग NRI हैं जो अपने परिवार वालों को अच्छे-खासे पैसे भेजते हैं। कई ऐसे भी लोग हैं, जो सालों से विदेश में रहने के बाद अब मदपार लौट आए हैं यहां आने के बाद वो कई तरह के बिजनेस शुरू कर पैसे कमा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1968 में मदपार विलेज एसोसिएशन का गठन लंदन में किया गया था। इसका गठन किया गया था, ताकि विदेश में मदपार के लोग एक जगह मीटिंग कर सके। इसका एक ऑफिस मदपार में भी खोला गया। जो लोगों को एक- दूसरे से जो?कर रखता है। भले ही इस गांव कके 65 प्रतिशत लोग विदेशों में रहते हैं लेकिन उनकी जड़ें अपने गांव से गहराई से जुड़ी है। ये लोग विदेश में रहने के बाद भी खर्चीले नहीं है। इनका ज्यादातर पैसा बैंकों में जमा है। इस गांव में अभी भी खेती को ही रोजगार का मुख्य जरिया माना जाता है। यहां बने प्रोडक्ट्स ज्यादातर मुंबई में सेल के लिए भेजे

बाराबंकी में रफ्तार का कहर चार लोगों की मौके पर मौत

एसयूवी काटकर बाहर निकाले गए शव, सभी लखनऊ निवासी

» लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर कंटेनर से टकरायी कार, चालक फरार

» डिवाइडर जंप कर रांग साइड आ गयी थी एसयूवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर आज बड़ा हादसा हुआ। तेज रफ्तार एसयूवी और कंटेनर में टक्कर से कार सवार लखनऊ निवासी चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घंटों की मशक्कत के बाद एसयूवी को काटकर उसमें फंसे हुए शवों को बाहर निकाला। उसके बाद परिजनों को सूचना देकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सफदरगंज थाना क्षेत्र के पल्हरी गांव के पास लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर आज सुबह बड़ा हादसा हुआ। अयोध्या की ओर से आ रही एसयूवी चालक को नींद आने से कार डिवाइडर जंप कर रांग साइड में आ गई। इसी दौरान लखनऊ की ओर से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने पीछे से एसयूवी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एसयूवी के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद जहां कंटेनर चालक फरार हो गया। वही एसयूवी सवार सभी चार लोग व चार भेड़ों की सांसे थम गई। सूचना मिलने की करीब आधा घंटे बाद सफदरगंज थाना अध्यक्ष अभिषेक तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। भीषण हादसे के बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। इस पर एएसपी दक्षिणी मनोज पांडेय, सीओ सदर नवीन सिंह मौके पर पहुंच गए। एसयूवी की नंबर प्लेट व मोबाइल नंबर से एक की पहचान लखनऊ के ठाकुरगंज निवासी सबी हैदर के रूप में हुई। इसकी सूचना पुलिस ने परिजनों को दी। पुलिस ने क्षतिग्रस्त एसयूवी को काटकर उसमें फंसे शव व भेड़ों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान हैदर अली, सफीक, आमिर और अनीस के रूप में हुई है। हादसे के बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। बाराबंकी के अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि कार अनियंत्रित होकर हाईवे की दूसरी तरफ आ गयी थी जिसके चलते उसकी टक्कर कंटेनर से हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हुई है। सभी मृतक लखनऊ के निवासी हैं।

पुलिस की मौजूदगी में आरोपी की मां और दो बहनों ने खाया जहर, एक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» युवती को बरामद करने पहुंची थी पुलिस, हो रही है जांच

बागपत। गांव बाछौड़ में एक युवती को बरामद करने पुलिस टीम आरोपी के घर पहुंची। पुलिस के सख्त रवैये से परेशान होकर उनके सामने ही आरोपी की मां और दो बहनों ने जहर खा लिया। उपचार के दौरान बड़ी बहन ने दम तोड़ दिया।

बाछौड़ गांव की महिला ने तीन मई को मुकदमा दर्ज कराया था कि उनकी बेटी गांव के ही प्रिंस के साथ लापता है। अपहरण का मुकदमा दर्ज कर पुलिस युवती को बरामद करने का प्रयास कर रही थी। मंगलवार की देर शाम पुलिस को सूचना मिली कि प्रिंस युवती को लेकर घर आया है। पुलिस आरोपी युवक के घर पहुंची तो दरवाजे पर ताला मिला। घर के अंदर से बातचीत की आवाजें आ रही थीं। इस पर पुलिस पड़ोस के मकान की छत के रास्ते घर के अंदर पहुंची। घर में युवक की मां अनुराधा, बहन स्वाति और प्रीति मौजूद थी। पुलिस ने युवक और युवती के बारे में जानकारी चाही तो तीनों ने दोनों के बारे में जानकारी होने से मना कर दिया। महिला ने पुलिसकर्मियों को घर से बाहर चले जाने को कहा। यह भी कहा कि यदि वे घर से बाहर नहीं गए तो तीनों जहर खा लेंगी। इसी बीच महिला और उसकी दोनों बेटियों ने जहर निगल लिया। इलाज के दौरान प्रीति ने दम तोड़ दिया। एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि सूचना पुलिस युवक के घर से युवती को बरामद करने गई थी लेकिन इसी बीच युवक की मां और दो बहनों ने जहर निगल लिया था। मामले की जांच की जा रही है।

एक लाख के इनामी सनी काकरान समेत तीन गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। जनपद के पावली खुर्द गांव में एलएलबी के छात्र प्रयाग की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी व एक लाख के इनामी सनी काकरान समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अन्य दो में आशु और नसरूद्दीन शामिल हैं।

कंकरखेडा क्षेत्र के पाबली खुर्द निवासी प्रयाग (24) पुत्र निरंकार सिंह शुक्रवार को अपने परिवार के साथ घर पर ही था। इसी दौरान गांव का ही हिस्ट्रीशीटर व एक लाख का इनामी सनी काकरान अपने साथियों के साथ प्रयाग के घर पहुंचा और ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। 15 से अधिक राउंड फायर किए गए, जिसमें प्रयाग की गोली लगने से मौत हो गई थी। प्रयाग के भाई मयंक पर भी फायरिंग की गई थी लेकिन वह बाल-बाल बच गया।

मंकीपॉक्स को लेकर यूपी में अलर्ट

» सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लिए जाएंगे नमूने

» संक्रमित को रखा जाएगा अलग वार्ड में

» संपर्क में आने वाले लोगों की भी करायी जाएगी जांच, जल्द जारी होगी गाइडलाइन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमेरिका सहित कई देशों में मंकीपॉक्स की बीमारी को लेकर प्रदेश में भी विशेष सावधानी बरती जा रही है। स्वास्थ्य विभाग इसे लेकर गाइडलाइन तैयार कर रहा है। इसे जल्द जारी किया जा सकता है।

दुनियाभर में मंकीपॉक्स के मरीजों की संख्या करीब 100 तक पहुंचने के बाद डब्ल्यूएचओ की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। राज्य सर्विलांस अधिकारी डॉ. विकाशेंदु अग्रवाल ने बताया कि केंद्र के सावधानी बरतने के निर्देश के बाद स्वास्थ्य महानिदेशालय गाइडलाइन तैयार कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि हर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सैंपल कलेक्शन की व्यवस्था की जा रही है। यहां से सैंपल एनआईवी पुणे भेजे जाएंगे। जहां भी चिकनपॉक्स के मरीज मिलेंगे, उनकी निगरानी की जाएगी। यदि पीड़ित उन देशों से लौटा है, जहां मंकीपॉक्स फैला हुआ है तो उसे अलग वार्ड में भर्ती कर लिया जाएगा। यही नहीं मंकीपॉक्स फैलने वाले देश से आए व्यक्ति के संपर्क में आने वाले में लक्षण मिलते हैं तो उसकी भी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा जिला अस्पताल से लेकर सीएचसी तक मरीजों को भर्ती करने की व्यवस्था बनाई जा रही है। आशा कार्यकर्ता और एएनएम को भी इस बीमारी के बारे में जानकारी दी जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग तैयार कर रहा है गाइडलाइन

वाराणसी : युवक की हत्या से सनसनी, दो दिन से था लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। भिखारीपुर में एक युवक की ईंट से सिर कूचकर हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की शिनाख्त भिखारीपुर कला गांव निवासी जयदेव उर्फ चीनी (30) के तौर पर हुई है। जयदेव दो दिन से घर से लापता था। आज सुबह उसका शव उसके घर के पास ही अर्धनिर्मित मकान में ईंट के ढेर में मिला।

शव मिलने की सूचना के बाद फोरेंसिक एक्सपर्ट के साथ पहुंची मंडुवाडीह थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। एडीसीपी प्रबल प्रताप सिंह ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया। वारदात का कारण साफ नहीं है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जयदेव के परिजनों में कोहराम मचा है।

सदन में जनता के मुद्दों पर सरकार से सवाल

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन

» नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष में बहस होना कोई नई बात नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा में बजट सत्र चल रहा है। कार्यवाही के दूसरे दिन नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष आमने-सामने हुए। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने महिला अपराध पर सवाल उठाए तो सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यूपी में अपराध किसी भी तरह का हो, वह क्षम्य नहीं है। सदन में योगी और अखिलेश में वार-पलटवार दिखा। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर दुबे, डॉ. राकेश पाठक, समीरात्मज मिश्र, अनिल रॉयल, प्रो. सुधांशु कुमार, और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

उमाशंकर दुबे ने कहा सदन में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने महिला सुरक्षा व कानून व्यवस्था के जरिए सरकार पर कटाक्ष करने की कोशिश की तो सीएम योगी ने कहा कि अब लड़के हैं गलती हो जाती है, नहीं कहा जाता है। विधान सभा में दोनों ने अपनी जिम्मेदारी बाखूबी निभाई, जनता के हित में ही बात रखी। समीरात्मज मिश्र ने कहा प्रदेश में महिला सुरक्षा की स्थिति सबने देखी। पांच साल में हाथरस की घटना हो या कोई और। एंटी रोमियो कहां है। घटनाएं हो रही है। सदन में दोनों नेताओं ने बताने की कोशिश की कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है म उसे बाखूबी निभा रहे हैं। प्रो. सुधांशु कुमार ने कहा, एक दिन पहले राजभर ने आरोप लगाया कि सपा नेता ग्राउंड पर नहीं जाते जबकि चुनाव के बाद अखिलेश लगातार कानून व्यवस्था पर ट्वीट कर रहे। दौरे पर भी जाने लगे है। आज सदन में जब अखिलेश बोले तो उनके विधायकों का हौसला बढ़ा है। डॉ. राकेश पाठक ने कहा पिछले पांच साल तक रोमियो स्क्वॉयड का पता नहीं चला। इतनी बड़ी-बड़ी घटनाएं हो गईं। अब विपक्ष में अखिलेश है, जनता की बात रखेंगे, जनता की लड़ाई लड़ेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने पहल कर दी है। वहीं योगी आदित्यनाथ भी अपनी उपलब्धियां बताएंगे। वे भी पूर्ववर्ती सरकारों पर विपक्ष पर पलटवार करेंगे ही ये स्वाभाविक है।

अजय शुक्ला व अनिल रॉयल ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

पढ़ाई के साथ-साथ छात्र लड़ रहे हक की लड़ाई : वरुण गांधी

» बीजेपी सांसद ने एसआई भर्ती को लेकर फिर साधा निशाना

» ट्वीट कर कहा, पदों की खुलेआम बोली लगने से छात्र हताश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी सांसद वरुण गांधी लगातार सोशल मीडिया के जरिए अपनी ही सरकार पर हमलावर नजर आ रहे हैं। सांसद वरुण गांधी ने आज ट्वीट कर यूपी एसआई भर्ती मामले में प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है और प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ होने की बात भी लिखी है। सांसद वरुण गांधी ने ट्विटर अकाउंट पर लिखा कि जिस पद की आकांक्षा में छात्र खून पसीना एक कर देते हैं। परिजन अपना सर्वस्व समर्पित कर देते हैं। उसकी जो खुलेआम बोली लगते देख लाखों युवाओं का मनोबल टूट रहा है।

यूपीएसआई 2021 भर्ती में धांधली हुई है पकड़े गए दर्जनों लोग इसके गवाह हैं। न्याय की गुहार में मैं आप सभी के साथ हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने कंधों पर पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ लेकर चलने वाले प्रतियोगी छात्रों का जीवन विगत कुछ वर्षों से एक लंबे संघर्ष की दास्तां बन चुका है। आज का युवा छात्र अब सिर्फ पढ़ाई ही नहीं करता है वह अपने हक की लड़ाई भी लड़ता है। वरुण गांधी ने कहा कि ऐसी धांधलियों से वर्षों तक अपना पेट काट कर बच्चों को पढ़ाने वाले माता-पिता की कुर्बानियों का भी अपमान होता है। आशा करता हूं की सरकार छात्रों की मांग को मानेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृति ना हो, इसके लिए कठोर कदम भी उठाएगी। सांसद वरुण गांधी ने कहा कि परीक्षाओं में धांधली कराने वाले दोषियों को दंड मिलना चाहिए। वे बोले कि छात्र हित के मुद्दे हल करना सरकार की जिम्मेदारी है। अभ्यर्थियों के मन की बात सरकार को सुननी चाहिए। बात सुनेंगे तो ही प्रदेश से बेरोजगारी दूर हो पाएगी। इससे पहले वरुण गांधी ने राशन कार्ड की गाइडलाइन पर ट्वीट कर सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए थे। वरुण गांधी ने लिखा था चुनाव से पहले पात्र और चुनाव के बाद अपात्र? जनसामान्य के जीवन को प्रभावित करने वाले सभी मानक अगर चुनाव देखकर तय किए जाएंगे तो सरकारें अपनी विश्वसनीयता खो बैठेंगी।

लेट भर्तियां होने से छात्र हताश

सांसद वरुण गांधी ने लिखा कि भर्ती देर से होने के कारण छात्र हताश हो रहे हैं और उनका समय रेत की तरह फिसलता जा रहा है। बिना कारण रिक्त पड़े पद, लीक होते पेपर, सिस्टम पर हावी होता शिक्षा माफिया, कोर्ट-कचहरी व टूटती उम्मीद। छात्र अब प्रशासनिक अक्षमता की कीमत भी स्वयं चुका रहा है। चयन सेवा आयोग कैसे बेहतर हो, परीक्षाएं कैसे पारदर्शी एवं समय पर हों, इस पर आज और अभी से काम करना होगा। इन सब पर कार्रवाई होते-होते कहीं देर न हो जाए।

शिवपाल बोले, सदन में हमारी सीट बदली जाए

» प्रसपा मुखिया ने विधान सभा में सीट बदलने का किया अनुरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने प्रमुख सचिव विधान सभा को पत्र भेजकर विधान सभा में अपनी सीट बदलने का अनुरोध किया है। गौरतलब है कि सोमवार शाम को शिवपाल सिंह यादव व आजम खां की गोपनीय बैठक हुई। शिवपाल आजम के सरकारी आवास पहुंचे थे। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक चर्चा हुई।

बताया जा रहा है कि आजम व शिवपाल ने राज्यसभा चुनाव से लेकर मौजूदा सत्र पर चर्चा की। शिवपाल सिंह यादव, आजम खां को लेकर अखिलेश यादव के साथ ही मुलायम सिंह यादव पर भी हमलावर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि आजम को जेल से निकलवाने के लिए सपा ने पूरा प्रयास नहीं किया। इस बातचीत को आजम खां की नाराजगी की चर्चाओं के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लेकिन दोनों ने मंत्रणा के संबंध में कुछ भी कहने से इनकार किया है। विधानसभा में प्रवेश करते वक्त आजम खां ने भी किसी तरह की नाराजगी से इनकार किया। मुलायम सिंह यादव से बातचीत होने के सवाल पर उन्होंने सधे अंदाज में तंज कसा। कहा कि हो सकता है कि उनके पास हमारा फोन नंबर न हो। आजम खां के दोपहर बाद सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव से मुलाकात की चर्चा थी, लेकिन वह बिना मिले लौट गए।

फोटो : 4पीएम

नियुक्ति पत्र लखनऊ के बासमंडी स्थित प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निर्देशालय कार्यालय में लखनऊ स्मार्ट डेस्कबोर्ड का लोकार्पण किया गया। इस दौरान सहायक भंडारण अधिकारियों को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिलदेव अग्रवाल ने नियुक्ति पत्र भी बांटे।

लखनऊ में स्थापित होगी एनसीडीसी की शाखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एनसीडीसी यानी नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल की शाखा स्थापित होने जा रही है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक की मौजूदगी में केंद्र और राज्य के अधिकारियों ने लैंड ट्रांसफर की लीज डीड और एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एनेक्सी में डिप्टी सीएम ने कहां एनसीडीसी की शाखा स्थापित किए जाने का मकसद प्रदेश में वेक्टर जनित और संचारी रोगों के अलावा गैर संचारी रोगों के प्रकोप की जांच और उसकी निगरानी प्रणाली को मजबूती देना है। इस सेंटर पर इन रोगों से जुड़ा मूल्यांकन और सर्वेक्षण का काम भी किया जाएगा। डिप्टी सीएम ने बताया कि यह सेंटर प्रदेश में स्थापित होने से किसी भी प्रकार की आपदा के लिए तैयारी में भी बहुत फायदा मिलेगा। साथ ही आपदा के रोकथाम और नियंत्रण उपायों के लिए चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टॉफ के क्षमता निर्माण की दिशा में भी यह सहायक होगा। एनसीडीसी अन्य संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग के साथ चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टॉफ के लिए शार्ट टर्म कोर्स और अन्य राज्यों के चिकित्सा अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए 2 साल के इआईएस पाठ्यक्रम की शुरुआत करना भी इस शाखा की स्थापना के उद्देश्यों में है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमित मोहन ने बताया एनसीडीसी द्वारा देश की एकमात्र बीएसएल4 प्रयोगशाला की स्थापना भी बांदा में की जाएगी। इसके लिए शिमोमी धाम ट्रस्ट, बांदा द्वारा 100 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जा रही है।

डिप्टी सीएम की मौजूदगी में एमओयू साइन

100
एकड़ की भूमि पर बांदा में बनेगी पहली बीएसएल4 लैब

झांसी स्टेशन का नाम फिर बदलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झांसी के रेलवे स्टेशन के नाम में एक बार फिर से बदलाव होगा। स्टेशन को नया नाम 'रानी लक्ष्मीबाई झांसी' दिया जाएगा। इसे लेकर रेल मंत्रालय स्तर पर कार्यवाही शुरू कर दी गई है। झांसी में रेलवे स्टेशन की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 1889 में की गई थी। तब से इस स्टेशन को झांसी के नाम से ही जाना जाता था, लेकिन 132 साल बाद 28 दिसंबर 2021 को इसका नाम बदलकर 'वीरांगना लक्ष्मीबाई' कर दिया गया था। इस बदलाव पर झांसी वासियों ने आपत्ति जताई थी। उन्हें स्टेशन के नाम में वीरांगना लक्ष्मीबाई तो स्वीकार था, परंतु झांसी जुड़ा न होने पर आपत्ति थी। अब स्टेशन को रानी लक्ष्मीबाई झांसी नाम दिया जा रहा है।

फोटो : 4पीएम

ज्ञापन अखिल भारत हिन्दू महासभा ने 27 मई को रिलीज हो रही देहाती डिस्को नामक फिल्म का विरोध किया है। फिल्म के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय पर अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने एडीएम वित्त विनीत मिश्रा को ज्ञापन दिया, कहा इस फिल्म से धार्मिक भावनाएं आहत होगी।

30 मई को ज्ञानवापी को हिंदुओं को सौंपने पर होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी प्रकरण में सिविल जज (सीनियर डिविजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत में भगवान आदि विश्वेश्वर विराजमान के नाम से मुकदमा दाखिल किया गया है।

यह मुकदमा विश्व वैदिक सनातन संघ की अंतरराष्ट्रीय महामंत्री किरन सिंह ने दाखिल किया है। इस दौरान हिंदू पक्ष की ओर से वाद दाखिल करने वाले लोग भी शामिल रहें। इस मामले में दोपहर दो बजे के बाद सुनवाई हुई तो ज्ञानवापी केस सिविल जज ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया। सिविल जज रवि दिवाकर ने नई याचिका को फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा है जिसकी सुनवाई के लिए 30 मई नई तिथि मुकर्रर कर दी गई है। अब इस केस की सुनवाई जज महेंद्र पांडेय करेंगे। दूसरी ओर ज्ञानवापी मामले को लेकर चल रही सुनवाई को देखते हुए ज्ञानवापी परिसर और काशी विश्वनाथ परिसर ही नहीं, बल्कि कोर्ट परिसर में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। सुरक्षा कड़ी होने के साथ ही हर आने जाने वाले पर नजर रखने के साथ ही संबंधित जगहों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।